वैश्विक निर्यात में भारत का चार प्रतिशत योगदान चिंतनीय : चेतन हिंगू

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर ने किया सातवें नेतृत्व शिखर सम्मेलन का आयोजन, देश-विदेश से कंपनी के बड़े अधिकारी हुए शामिल

भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) में दो दिवसीय सातवां नेतृत्व शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया। आयोजन के दूसरे दिन "भारतीय व्यापार और नेतृत्व के लिए पहचान को बढ़ावा देने" पर तीन पैनल चर्चाएं आयोजित की गईं। पैनल चर्चा में एएमडी के कंट्री हेड चेतन हिंगू ने कहा कि भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है, लेकिन वैश्विक निर्यात में केवल चार प्रतिशत का योगदान देता है, जबकि चीन 15 प्रतिशत निर्यात करता है। यह हमारे लिए चिंताजनक है। पवन कुमार ने वैश्विक मंच पर भारत के उभरने पर चर्चा करते हुए कहा कि अधिकांश बहुराष्ट्रीय निगमों के सीईओ भारतीय मूल के ही हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान रायपुर द्वारा आयोजित सातवें नेतृत्व शिखर सम्मेलन में मौजूद अतिथि और पैनलिस्ट। • संस्थान

उन्होंने कच्चे माल के निर्यात से दूर जाकर और मशीनरी के निर्यात पर अधिक ध्यान केंद्रित करके भारत के निर्यात आधार को व्यापक बनाने के महत्व पर जोर दिया। क्षितिज कुमार ने शक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सफलता के लिए महत्वपूर्ण तत्वों में रणनीति, सोच, नेतृत्व और साफ्ट स्किल्स हैं। क्षितिज कुमार ने कहा कि बदलाव को अपनाते रहना चाहिए। प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका होती है।

समस्या के समाधान के लिए भारतीय करते हैं जुगाड़ : प्रशांत

भविष्य के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धात्मक लाभ को समझना विषय पर दूसरे पैनल में क्वालकाम इंडिया के सीएमओ आनंद सुबबैह ने भविष्य के नेताओं की आत्मनिर्भरता और भारत में विनिर्माण के लिए सरकार के प्रोत्साहनों की आवश्यकता पर जोर दिया। वामदा डेयरी के प्रबंध निदेशक प्रशांत घारीवाल ने भारत के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को लेकर बताया कि कैसे भारतीयों ने 'जुगाड़' की अवधारणा का अपने लाभ के लिए उपयोग किया है। भारतीय अलग-अलग तरीके से समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करते हैं और इसी से नए विचार आते हैं।

अंतिम पैनल भारत में वित्तीय समावेशन और फिनटेक क्रांति पर केंद्रित रहा। जिसमें फिनटेक के उत्पाद रणनीति सलाहकार मोनिका जसूजा ने बताया कि वैश्विक बाजार में भारत की छवि को आकार देने में इंटरनेट मीडिया बड़ी भूमिका निभाती है। इंटरनेट मीडिया एक ऐसा माध्यम है जिससे विश्वभर में अपने उत्पाद के बारे में बताया जा सकता है। लूथरा एंड लूथरा के सहयोगी शिनोज कोशी ने सतर्क रहने, व्यक्तिगत डेटा को संरक्षित करने और बदलती परिस्थितियों में प्रतिक्रिया देने के महत्व पर प्रकाश डाला।

Nai Duniya,Raipur City,07th November 2023,P.01